दीप ज्योति

हिंदी व्याकरण

7

अशोक लव
एम.ए., बी. एड,
(लेखक एवं शिक्षाविद्)
पूर्व हिंदी-संस्कृत विभागाध्यक्ष
द एयर फ़ोर्स स्कूल सुब्रोतो पार्क
नई दिल्ली - 110010

Evershine ESP Publishers
Soni House, WZ-348, Nangal Raya, New Delhi - 110046
Phones : 28111758, 28113958, Fax : 28112353

प्रकाशक :

एवरशाइन पब्लिशर्ज़

नांगल राया, नई दिल्ली - 110046

फोन : 28111758, 28113958

फैक्स : 28112353

नवीन संस्करण

© सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस पुस्तक के किसी भी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटोप्रतिलिपि, रिकार्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।

भूमिका

प्रत्येक भाषा के ज्ञान के लिए उसके व्याकरण का ज्ञान होना अत्यंत आवश्यक होता है। व्याकरण द्‌वारा ही भाषा के शुद्‌ध प्रयोग का ज्ञान होता है। भाषा के मौखिक और लिखित दोनों रूपों के व्यावहारिक शुद्‌ध प्रयोग व्याकरण द्‌वारा ही किया जा सकता है। हिंदी विश्व की दूसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। यह भारत के एक कोने से दूसरे कोने तक बोली जाती है। इसलिए इसे भारत की संपर्क भाषा भी कहा जाता है। यह राजभाषा तो है ही। इस दृष्टि से प्रत्येक भारतवासी के लिए हिंदी का ज्ञान आवश्यक हो जाता है और व्यवहार में प्रयोग करने के लिए इसके व्याकरण का ज्ञान भी आवश्यक है।

व्याकरण की यह शृंखला प्राथमिक कक्षाओं के लिए तैयार की गई है। इसे विद्‌यालयों में प्रवेश लेने वाले नन्हें शिशुओं से लेकर आठवीं कक्षा के विद्‌यार्थियों की दृष्टिगत रखते हुए तैयार किया गया है। इसकी भाषा सरल है। उदाहरणों और गतिविधियों के माध्यम से व्याकरण नियमों को रुचिकर बनाया गया है। अभ्यास के लिए पर्याप्त प्रश्न दिए गए हैं। सतत् मूल्यांकन के लिए मौखिक और लिखित दोनों प्रकार के प्रश्न दिए गए हैं। बहुविकल्पी प्रश्नों द्‌वारा विद्‌यार्थियों की चयन-क्षमता के मूल्यांकन के लिए प्रश्न दिए गए हैं।

पर्यायवाची, विलोम, समरूपी भिन्नार्थक, उपसर्ग, प्रत्यय, मुहावरे-लोकोक्तियाँ आदि पर्याप्त संख्या में दिए गए हैं।

व्याकरण के प्रत्येक नियम को उदाहरणों द्‌वारा 'करके सीखने' की पद्‌धति को दृष्टिगत रखकर समझाया गया है। इनसे विद्‌यार्थियों की सीखने की रुचि बढ़ती है।

अध्यापक-अध्यापिकाएँ विद्‌यार्थियों को प्रत्येक विषय का ज्ञान प्रदान करते हैं। यह व्याकरण - शृंखला हिंदी भाषा के ज्ञान प्रदान करने में उनकी सहायक होगी, ऐसा हमारा विश्वास है। तीस वर्षों तक हिंदी शिक्षण से संबंद्‌ध रहने के कारण हमने इस शृंखला को व्यावहारिक रूप प्रदान करने का प्रयास किया है। एन.सी.ई.आर.टी. द्‌वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार **'दीप ज्योति व्याकरण'** शृंखला समस्त विद्‌यालयों के लिए अत्यंत उपयोगी है।

अशोक लव

विषय-सूची

1.	भाषा, लिपि और व्याकरण	05
2.	वर्ण-विचार	11
3.	शब्द-विचार	18
4.	शब्द-रचना (1)– उपसर्ग-प्रत्यय	23
5.	शब्द-रचना (2) – संधि	32
6.	शब्द-रचना (3) – समास	39
7.	संज्ञा	45
8.	संज्ञा – लिंग	52
9.	संज्ञा – वचन	58
10.	संज्ञा – कारक	63
11.	सर्वनाम	68
12.	विशेषण	75
13.	क्रिया	83
14.	काल	90
15.	वाच्य	94
16.	अविकारी शब्द (अव्यय)	97
17.	वाक्य-विचार	106
18.	विराम-चिह्न	112
19.	मुहावरे तथा लोकोक्तियाँ	117
20.	शब्द-भंडार	125
	रचनात्मक गतिविधियाँ	135
21.	अपठित गद्यांश	135
22.	अनुच्छेद-लेखन	140
23.	निबंध-लेखन	143
24.	पत्र-लेखन	152
25.	कहानी-लेखन	161
	अभ्यास प्रश्न-पत्र-1	165
	अभ्यास प्रश्न-पत्र-2	167

1 भाषा, लिपि और व्याकरण

(LANGUAGE, SCRIPT AND GRAMMAR)

भाषा के विषय में हम पिछली कक्षाओं में भी पढ़ चुके हैं। इस कक्षा में इसके विषय में और गहराई से अध्ययन करेंगे।

'भाषा' शब्द की उत्पत्ति संस्कृत की 'भाष' धातु से हुई है, जिसका अर्थ है – बोलना। मानव समाज के लिए भाषा का विशेष महत्त्व है। मनुष्य भाषा के द्वारा अपने मन के भाव और विचार प्रकट करता है तथा दूसरों के भाव और विचार जानता है। इस प्रकार–

भाषा भावों और विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम है।

भाषा के रूप

भाषा के दो रूप होते हैं– मौखिक भाषा और लिखित भाषा।

1. **मौखिक भाषा :** जब हम बोलकर अपने विचार व्यक्त करते हैं तो उसे मौखिक भाषा कहते हैं।

मौखिक भाषा का प्रयोग हम बातचीत, साक्षात्कार करने, पढ़ाने, समझने आदि के लिए करते हैं।

मौखिक भाषा का रूप अस्थायी होता है। परंतु अब भाषा के मौखिक रूप को टेप करके सुरक्षित रखा जाने लगा है।

2. **लिखित भाषा :** जब हम लिखकर अपने विचार व्यक्त करते हैं तो उसे लिखित भाषा कहते हैं।

लिखित भाषा का विकास मौखिक भाषा के बाद हुआ। इसका प्रयोग पत्र-व्यवहार करने, कहानी और कविता लिखने के लिए किया जाता है। महान तथा ज्ञानी लोगों के विचार लिखित पुस्तकों के रूप में सुरक्षित हैं। हमारे प्राचीन ग्रंथ, वेद, उपनिषद् आदि भाषा के लिखित रूप के जीवंत उदाहरण हैं। लिखित भाषा का रूप स्थायी होता है। सब प्रकार की पुस्तकें भाषा के लिखित रूप हैं।

मातृभाषा– मातृभाषा से तात्पर्य है वह भाषा जिसे बच्चा सबसे पहले अपनी माँ और परिवार के अन्य सदस्यों से ग्रहण करता है। बच्चा माँ के सबसे नज़दीक होता है। वह अपनी माँ द्वारा बोली गई भाषा को धीरे-धीरे ग्रहण करता है और उसे बोलना सीख जाता है। जिस भाषा को बच्चे की माँ बोलती है उसी भाषा को बच्चा सीख लेता है। जैसे– यदि बच्चे की माँ पंजाबी बोलती हैं, तो बच्चा पंजाबी सीख लेता है। वह हिंदी बोलती हैं तो बच्चा हिंदी सीख लेता है। यही भाषा उसकी मातृभाषा बन जाती है। वह भाषा जिसे बच्चा अपने परिवार से सीखता है, उसे मातृभाषा कहते हैं।

राष्ट्रभाषा – जिस भाषा का देश के अधिकतर निवासी प्रयोग करते हैं, उसे राष्ट्रभाषा कहते हैं। जैसे– भारत में हिंदी, अमेरिका में अंग्रेज़ी आदि।

राजभाषा – जो भाषा देश के कार्यालयों और राज-काज के कार्यों में प्रयोग की जाती है, उसे राजभाषा कहते हैं। जैसे– भारत की राजभाषा हिंदी और अंग्रेज़ी है।

विशेष : हिंदी को राजभाषा का दर्जा 14 सितंबर, 1949 को मिला था।

बोली – बोली का अभिप्राय स्थानीय बोली से है। यह किसी स्थान विशेष में अपनाई जाती है तथा इसका सीमित क्षेत्र होता है। इसका अपना कोई लिखित साहित्य नहीं होता। लोकगीत, लोककथाएँ आदि ही उसको समृद्ध बनाते हैं।

भाषा के क्षेत्रीय रूप को **बोली** कहते हैं।

हरियाणा में हरियाणवी, राजस्थान में राजस्थानी और बिहार में भोजपुरी, मैथिली आदि बोलियाँ हैं। ब्रजभाषा पहले भाषा थी परंतु अब यह मथुरा और इसके निकट के क्षेत्रों की बोली है।

खड़ी बोली पहले पश्चिमी उत्तर प्रदेश, दिल्ली और रोहतक आदि क्षेत्रों की बोली जाती थी, अब इसने विकसित होकर 'हिंदी' भाषा का रूप ले लिया है।

पहले बोलियों में साहित्यिक रचनाएँ नहीं होती थीं परंतु अब हरियाणवी, राजस्थानी, भोजपुरी, अंगिका आदि में कहानियाँ, कविताएँ, उपन्यास और महाकाव्य तक लिखे जाने लगे हैं।

लिपि

प्रत्येक ध्वनि, जो हम बोलते हैं, उसे लिखने के लिए कुछ चिह्नों की आवश्यकता होती है। ये ध्वनि-चिह्न ही उच्चरित ध्वनि का लिखित रूप हैं। यही लिपि है।

ध्वनि-चिह्नों के लिखित रूप को लिपि कहते हैं।

प्रत्येक भाषा की अपनी लिपि होती है। जैसे– हिंदी की लिपि देवनागरी है। संस्कृत, हिंदी, मराठी, कोंकणी, नेपाली, मैथिली आदि भाषाएँ भी देवनागरी लिपि में लिखी जाती हैं।

भारत के विभिन्न प्रदेशों में विभिन्न भाषाएँ और उनकी विभिन्न लिपियाँ प्रचलित हैं–

राज्य	भाषा	लिपि
असम	असमिया	असमी
उड़ीसा	उड़िया	उड़िया
आंध्र प्रदेश	तेलुगु	तेलुगु
जम्मू व कश्मीर	उर्दू	फ़ारसी
केरल	मलयालम	मलयालम
बंगाल	बंगाली	बांग्ला
पंजाब	पंजाबी	गुरुमुखी
तमिलनाडु	तमिल	तमिल
कर्नाटक	कन्नड़	कन्नड़

विशेष :
भारतीय संविधान में 22 भाषाओं को मान्यता मिली है।

विश्व के प्रमुख देशों की भाषाएँ और उनकी लिपियाँ इस प्रकार हैं–

देश	भाषा	लिपि
चीन	मंदारिन	चीनी (चित्र लिपि)
जापान	जापानी	जापानी
इंग्लैंड	अंग्रेज़ी	रोमन
आस्ट्रेलिया	अंग्रेज़ी	रोमन
जर्मनी	जर्मन	रोमन
फ्रांस	फ्रांसीसी	रोमन
इटली	इतालवी	रोमन
स्पेन	स्पेनिश	रोमन
मध्यपूर्व के देश	अरबी	अरबी
ईरान	फ़ारसी	फ़ारसी

व्याकरण

व्याकरण वह शास्त्र है जो हमें किसी भाषा को शुद्ध रूप से बोलना तथा लिखना सिखाता है। भाषा के कुछ नियम होते हैं। व्याकरण के अंतर्गत हम भाषा के उन नियमों को सीखते हैं।

व्याकरण के अंग

व्याकरण के तीन अंग हैं – वर्ण-विचार, शब्द-विचार और वाक्य-विचार।

1. वर्ण-विचार : इसके अंतर्गत हम वर्णमाला, वर्णों का उच्चारण, वर्णों को लिखने की विधि, उन्हें संयुक्त करने के नियमों आदि के विषय में सीखते हैं।

2. शब्द-विचार : इसके अंतर्गत शब्दों की उत्पत्ति, शब्दों की रचना, शब्द-निर्माण तथा शब्द-भेद आते हैं।

3. वाक्य-विचार : इसके अंतर्गत वाक्य रचना, उसके भेद, वाक्य के प्रकार, वाक्य विग्रह तथा विराम-चिह्न के बारे में विचार करते हैं।

साहित्य

किसी भी भाषा में लिखित ज्ञान का संचित भंडार साहित्य कहलाता है। साहित्य में किसी देश तथा जाति के विचार लिखित रूप में संचित होते हैं। साहित्य दो प्रकार का होता है– गद्य और पद्य। गद्य साहित्य में हम अपने विचार, कहानी, निबंध तथा नाटक के रूप में प्रकट करते हैं जबकि पद्य साहित्य में हम अपनी बात कविता के रूप में प्रकट करते हैं।

लघुकथाएँ, संस्मरण, कहानियाँ, उपन्यास आदि गद्य साहित्य के उदाहरण हैं। गीत, कविता, गज़ल, पद, दोहे, चौपाई, छंद आदि पद्य साहित्य के उदाहरण हैं।

याद रखो

- भाषा एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा मानव विचारों का आदान-प्रदान करता है।
- भाषा के दो रूप होते हैं– मौखिक भाषा तथा लिखित भाषा।
- भाषा को लिखने के लिए जिन निर्धारित चिह्नों का प्रयोग करते हैं, उसे लिपि कहते हैं।
- भाषा का क्षेत्रीय रूप बोली कहलाता है।
- व्याकरण हमें भाषा के नियमों की जानकारी देकर भाषा को शुद्ध रूप से बोलना सिखाता है।
- किसी भाषा में लिखित ज्ञान के भंडार को साहित्य कहते हैं।

अभ्यास

1. सही उत्तर पर (✓) लगाओ :

(क) भारत की राजभाषा कौन-सी है?

पंजाबी ◯ कन्नड़ ◯ हिंदी ◯

(ख) हिंदी दिवस कब मनाया जाता है?

14 अगस्त ◯ 14 सितंबर ◯ 14 जनवरी ◯

(ग) मथुरा के आसपास कौन-सी बोली बोली जाती है?

मैथिली ◯ ब्रज ◯ भोजपुरी ◯

(घ) भारत में कितनी मान्यता प्राप्त भाषाएँ हैं?

28 ◯ 26 ◯ 22 ◯

(ङ) इनमें कौन-सी दक्षिण भारत की भाषा है?

पंजाबी ◯ असमिया ◯ मलयालम ◯

2. सही कथनों के आगे (✓) और गलत कथनों के आगे (✘) लगाओ :

(क) टेलीविज़न से समाचार सुनना भाषा का लिखित रूप है। ◯

(ख) पुस्तक भाषा का लिखित रूप है। ◯

(ग) फ़ोन की बातचीत भाषा का मौखिक रूप है। ◯

(घ) क्रिकेट का आँखों देखा हाल भाषा का लिखित रूप है। ◯

(ङ) प्रधानमंत्री का भाषण भाषा का मौखिक रूप है। ◯

3. रिक्त स्थानों में उचित शब्द भरो :

(क) हरियाणा की बोली ..... है। (राजस्थानी, हरियाणवी)

(ख) भाषा का क्षेत्रीय रूप ..... कहलाता है। (लिपि, बोली)

(ग) खड़ी बोली ने अब ..... भाषा का रूप ले लिया है। (हिंदी, पंजाबी)

(घ) पहले ..... में साहित्यिक रचनाएँ नहीं होती थीं। (बोलियों, भाषाओं)

(ङ) ब्रजभाषा पहले ..... थी। (बोली, भाषा)

4. नीचे दी गई भाषाओं को सही स्थान पर लिखो :

मंदारिन	उड़िया	अरबी	तेलुगु	इतालवी
जर्मन	पंजाबी	बंगाली	तमिल	स्पेनिश

भारतीय भाषाएँ	विदेशी भाषाएँ
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

5. निम्नलिखित भारतीय भाषाओं की लिपियाँ लिखो :

(क) मलयालम ..... (ख) असमिया .....

(ग) हिंदी ..... (घ) मराठी .....

(ङ) उर्दू ..... (च) पंजाबी .....

(छ) कोंकणी ..... (ज) मैथिली .....

(झ) बंगाली ..... (ञ) तेलुगु .....

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो :

(क) भाषा किसे कहते हैं? इसके कितने रूप हैं?

.....

.....

(ख) भाषा और बोली में क्या अंतर है?

.....

.....

(ग) व्याकरण और भाषा में क्या संबंध होता है?

.....

.....

(घ) राष्ट्रभाषा और राजभाषा में अंतर स्पष्ट करो।

.....

.....

(ङ) साहित्य किसे कहते हैं?

.....

.....

करो और सीखो

1. इस वर्ग से भाषाओं के नाम छाँटो।

म	अ	स	मि	या	थे
णि	ने	पा	ली	उ	ण
पु	हिं	दी	क	र्दू	घु
री	बो	डो	श्मी	बँ	उ
पं	जा	बी	री	गला	ड़ि
म	ल	या	ल	म	या

मलयालम ....
....
....
....
....
....

2. अपने अलग-अलग प्रांतों के पाँच मित्रों के नाम और उनकी मातृभाषाएँ लिखो :

मित्र	मातृभाषा
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

3. गुजराती में किसी का आदर करने के लिए नाम के साथ भाई, बेन (बहन) जैसे शब्दों का प्रयोग होता है। तेलुगु में नाम के आगे 'गारू' और हिंदी में 'जी' जोड़ा जाता है।

तुम्हारी कक्षा में भी अलग-अलग भाषा बोलने वाले बच्चे होंगे। पता करो और लिखो कि वे अपनी भाषा में किसी को आदर देने के लिए किन-किन शब्दों का प्रयोग करते हैं।

भाषा	शब्द
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

4. पाँच विभिन्न भारतीय भाषाओं की पत्रिकाओं अथवा समाचार पत्रों से समाचार की एक-एक कतरन अपनी हिंदी एलबम में चिपकाओ। प्रत्येक के सामने भाषा का नाम लिखो।

5. इंटरनेट द्वारा हिंदी की दस वेबसाइट्स के नाम पता करो।

6. भाषा के प्रति रुचि जगाने व भाषा में कौशलों के विकास हेतु, अध्यापक-अध्यापिकाएँ छात्रों को प्रतिदिन एक कहानी पढ़ने के लिए प्रेरित करें।